महाकुंभ में महाप्रसाद सेवा

चर्चा में क्यों?

अडानी समूह और **इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (ISKCON) ने प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025** में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं को भोजन उपलब्ध कराने के लिये साझेदारी की है।

मुख्य बिंदु

- **अवधि और पेशकश:**
  - **महाप्रसाद सेवा** पूरे महाकुंभ मेले के दौरान **13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक चलेगी।**
  - इस आयोजन के दौरान **50 लाख श्रद्धालुओं को भोजन परोसा जाएगा।**
- **सहयोग और स्वीकृति:**
  - **अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने** इस पहल में इस्कॉन के समर्थन के लिये आभार व्यक्त करने हेतु **इस्कॉन गवर्निंग बॉडी कमीशन (GBC) के अध्यक्ष गुरु प्रसाद स्वामी** से मुलाकात की।
- **भोजन की तैयारी और वितरण:**
  - भोजन मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर स्थित **दो रसोईघरों में तैयार किया जाएगा।**
  - **महाप्रसाद का वितरण** महाकुंभ क्षेत्र में **40 निर्धारित स्थानों** पर किया जाएगा।
  - लगभग 2,500 स्वयंसेवक भोजन वितरण में **सक्रिय रूप से भाग लेंगे।**
- **अतिरिक्त पहल:**
  - **दिव्यांग व्यक्तियों, बुजुर्ग श्रद्धालुओं और छोटे बच्चों वाली माताओं की** सहायता के लिये **गोल्फ कार्ट की व्यवस्था की गई है।**
  - आध्यात्मिक प्रसाद के भाग के रूप में **उपस्थित लोगों के बीच गीता सार** की पाँच लाख प्रतियाँ वितरित की जाएँगी।

अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (ISKCON)

- **1966 में स्थापित** इस्कॉन को आमतौर पर **"हरे कृष्ण आंदोलन" के रूप में जाना जाता है।**
- इस्कॉन ने **श्रीमद्भगवद्गीता और अन्य वैदिक साहित्य का 89 भाषाओं में अनुवाद किया है,** जो विश्वभर में **वैदिक साहित्य के प्रसार** में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
- इस्कॉन आंदोलन के सदस्य **भक्तिवेदांत स्वामी को कृष्ण चैतन्य** के प्रतिनिधि और दूत के रूप में देखते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mahaprasad-seva-in-maha-kumbh